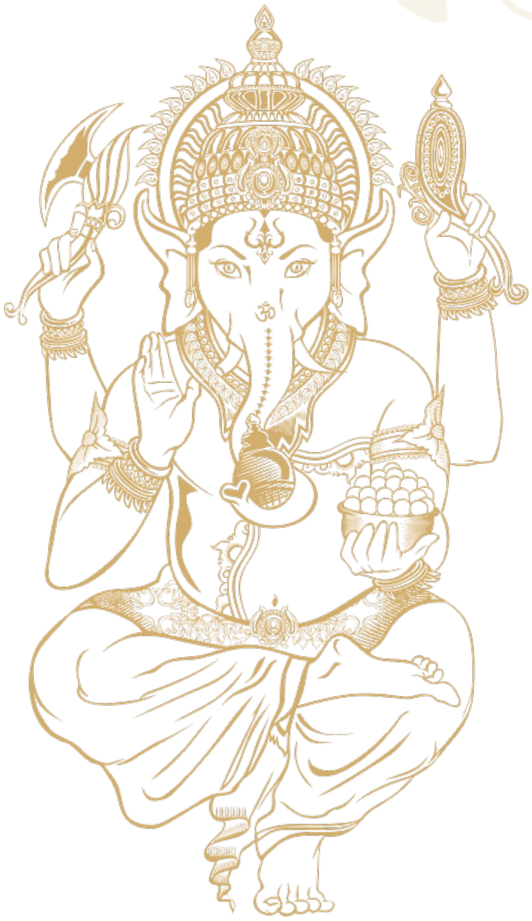

naveen

03 Nov 1952

06:15 AM

Dehradun

Model: Web-Y4

Order No: 119723501

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
2-03/11/1952	जन्म तिथि	**03/11/2025**
रवि-सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 06:15:00	जन्म समय	23:15:42 घंटे
घटी 59:15:11	जन्म समय(घटी)	41:44:22 घटी
India	देश	India
Dehradun	स्थान	Dehradun
उत्तर 30:18:59	अक्षांश	30:18:59 उत्तर
पूर्व 78:01:55	रेखांश	78:01:55 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:52	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:55	सूर्योदय	06:33:57
17:29:00	सूर्यास्त	17:28:46
23:12:04	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:08

तुला	लग्न	कर्क
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृष	राशि	मीन
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
कृतिका	नक्षत्र	रेवती
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	2
वरियान	योग	वज्र
तैतिल	करण	तैतिल
इ-ईश्वर	जन्म नामाक्षर	दो-द्रोणी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
मेष	योनि	गज
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
गरुड़	वर्ग	सर्प
73	गत/तत्कालिक वर्ष	74

जन्म - विवरण / वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
स्वाति	2	12:34:28	तुला			लग्न			कर्क	12:26:25	3	पुष्य
स्वाति	4	17:20:41	तुला			सूर्य			तुला	17:20:41	4	स्वाति
कृतिका	2	00:59:34	वृष			चंद्र			मीन	21:42:06	2	रेवती
पूर्वाषाढ़ा	3	22:41:05	धनु			मंगल		अ	वृश्चिक	05:12:25	1	अनुराधा
अनुराधा	2	09:06:37	वृश्चिक			बुध			वृश्चिक	10:21:52	3	अनुराधा
भरणी	4	23:26:13	मेष	व		गुरु			कर्क	00:49:46	4	पुनर्वसु
ज्येष्ठा	2	21:13:54	वृश्चिक			शुक्र			तुला	01:46:19	3	चित्रा
चित्रा	2	27:29:37	कन्या			शनि	व		मीन	01:27:31	4	पू०भाद्रपद
धनिष्ठा	1	24:24:02	मक	व		राहु	व		कुंभ	22:45:50	1	पू०भाद्रपद
आश्लेषा	3	24:24:02	कर्क	व		केतु	व		सिंह	22:45:50	3	पू०फाल्गुनी
पुनर्वसु	2	25:17:36	मिथु	व		मु			वृश्चिक	12:34:28	3	अनुराधा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:08

लग्न-चलित

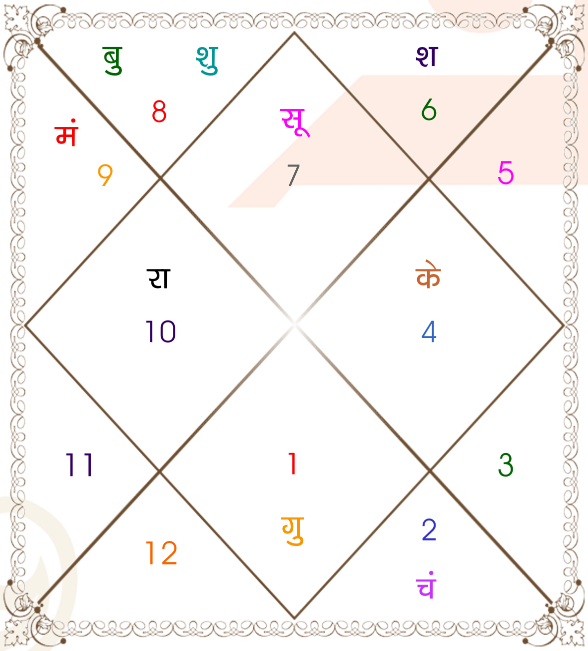

वर्ष लग्न कुंडली

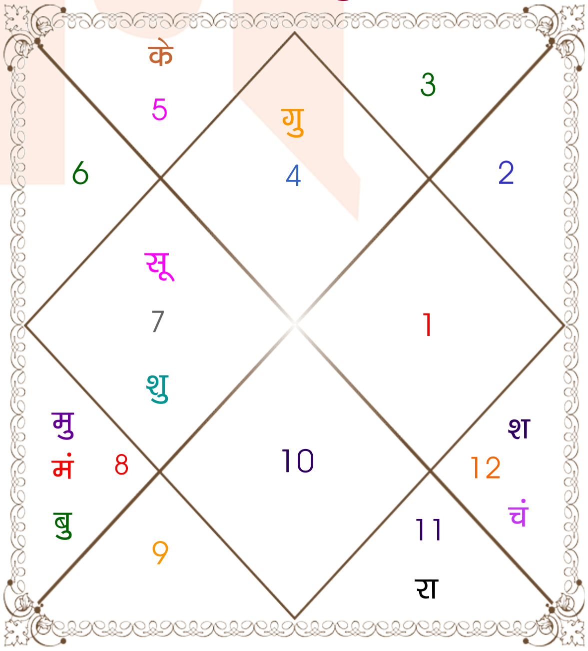

चन्द्र कुंडली

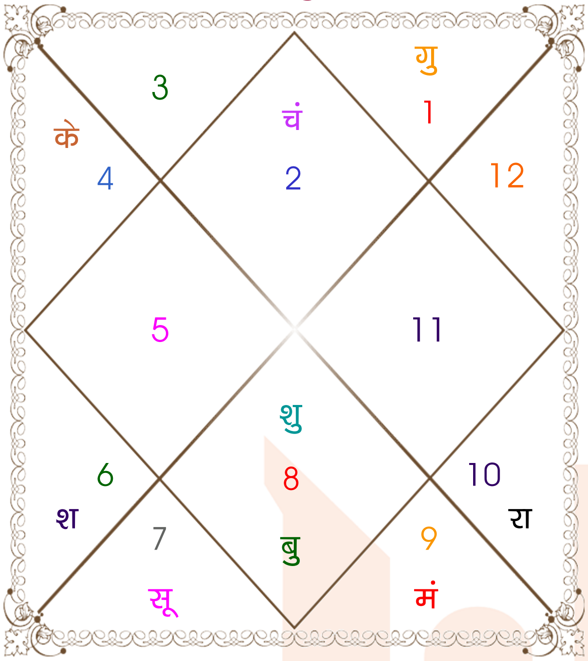

वर्ष चन्द्र कुंडली

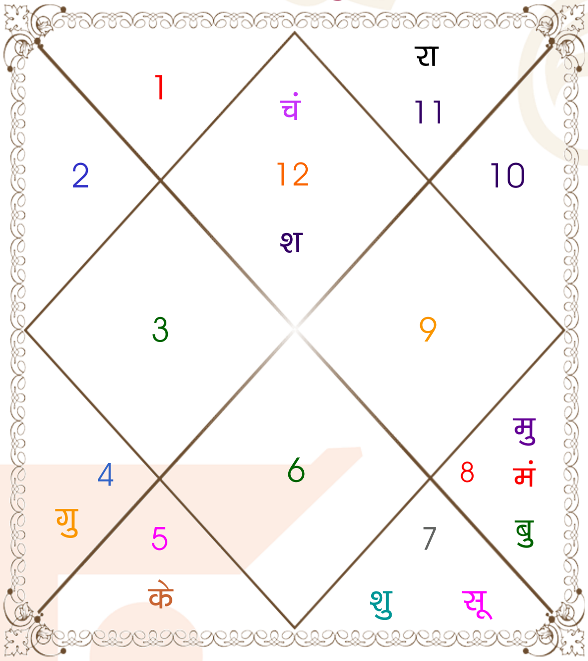

नवमांश कुंडली

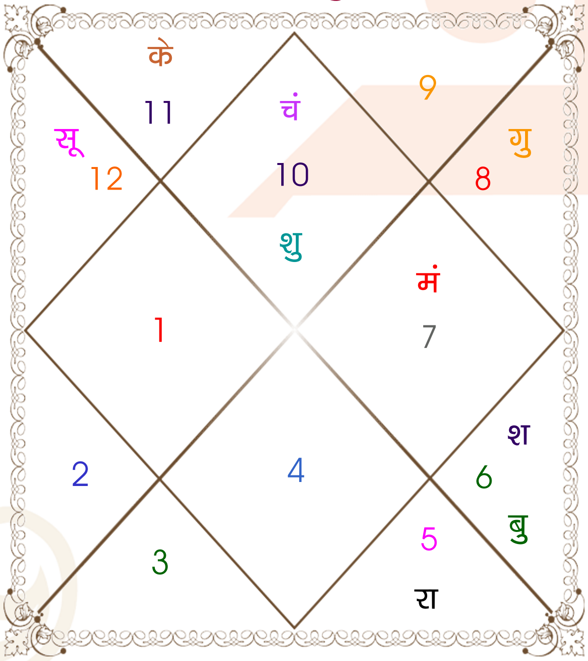

वर्ष नवमांश कुंडली

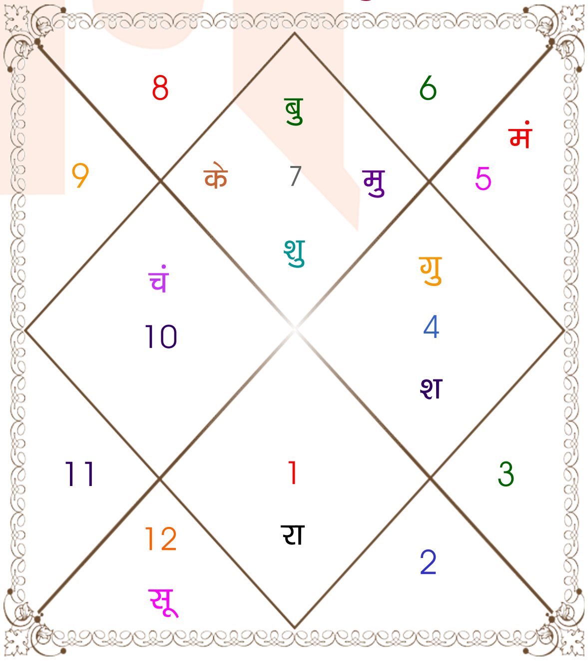

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम
चन्द्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र	सम	शत्रु
मंगल	सम	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	मित्र
बुध	सम	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
गुरु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	शत्रु	सम	सम	सम	शत्रु	---	सम
शनि	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कर्क	तुला	मीन	वृश्चि	वृश्चि	कर्क	तुला	मीन
होरा	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	कन्या	कुंभ	वृश्चि	वृश्चि	सिंह	वृष	कर्क	मक
चतुर्थांश	तुला	मेष	कन्या	वृश्चि	कुंभ	कर्क	तुला	मीन
पंचमांश	मीन	धनु	मक	वृष	कन्या	वृष	मेष	वृष
षष्ठांश	धनु	कर्क	कुंभ	वृश्चि	धनु	तुला	मेष	तुला
सप्तमांश	मीन	कुंभ	कुंभ	मिथु	कर्क	मक	तुला	कन्या
अष्टमांश	कर्क	सिंह	तुला	कन्या	तुला	मेष	मेष	वृष
नवमांश	तुला	मीन	मक	सिंह	तुला	कर्क	तुला	कर्क
दशमांश	कर्क	मीन	मिथु	सिंह	तुला	मीन	तुला	वृश्चि
एकादशांश	तुला	मीन	कन्या	वृश्चि	मक	मिथु	कन्या	कुंभ
द्वादशांश	वृश्चि	मेष	वृश्चि	मक	मीन	कर्क	तुला	मीन

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र
होरा	सम	सम	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
द्रेष्काण	सम	मित्र	स्व	सम	शत्रु	सम	स्व
चतुर्थांश	सम	मित्र	स्व	मित्र	मित्र	स्व	मित्र
पंचमांश	शत्रु	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	सम	सम
षष्ठांश	सम	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु	सम	सम
सप्तमांश	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व	मित्र
अष्टमांश	स्व	सम	शत्रु	सम	मित्र	सम	सम
नवमांश	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	स्व	शत्रु
दशमांश	शत्रु	मित्र	सम	सम	स्व	स्व	मित्र
एकादशांश	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र	मित्र	सम	स्व
द्वादशांश	सम	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	स्व	मित्र
शुभ	1	6	7	7	9	6	7
सम	6	2	3	4	0	5	3
अशुभ	5	4	2	1	3	1	2
कुल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	5	0	5	5	0
तृतीय बल	5	5	5	0	0	0	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	10	10	5	5	10	10
बल	क्षीण	सामान्य	सामान्य	क्षीण	क्षीण	सामान्य	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	22.50	30.00	7.50	22.50	30.00	22.50
उच्च बल	0.82	15.41	10.80	13.85	19.54	0.53	5.39
हदद़ा बल	3.75	11.25	15.00	7.50	11.25	7.50	7.50
द्रेष्काण	5.00	7.50	10.00	5.00	2.50	5.00	10.00
नवमांश	1.25	1.25	2.50	2.50	3.75	5.00	1.25
कुल	18.32	57.91	68.30	36.35	59.54	48.03	46.64
विंशोपक	4.58	14.48	17.08	9.09	14.88	12.01	11.66
बल	क्षीण	शुभ	बली	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शुक्र	12.01	अशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	चंद्र	14.48	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	17.08	अतिशुभ	मंगल
दिवापति	गुरु	14.88	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	मंगल	17.08	अतिशुभ	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	कुम्भ	08:05:00	शनि	28/11/2026
गुरु	मकर	16:47:50	शनि	07/11/2026
ज्ञान	मकर	16:47:50	शनि	07/11/2026
यश	कुम्भ	19:41:39	शनि	11/12/2026
मित्र	वृश्चिक	23:03:29	मंगल	22/11/2025
माहात्म्य	मेष	09:33:50	मंगल	11/03/2026
आशा	कुम्भ	12:45:13	शनि	03/12/2026
समर्थ	धनु	28:56:06	गुरु	26/05/2026
भातृ	धनु	11:48:40	गुरु	06/05/2026
गौरव	सिंह	08:13:02	सूर्य	07/08/2026
राजा	कुम्भ	28:19:36	शनि	21/12/2026
पितृ	कुम्भ	28:19:36	शनि	21/12/2026
मातृ	मकर	22:30:37	शनि	14/11/2026
सुत	वृश्चिक	21:34:04	मंगल	21/11/2025
जीव	मीन	13:04:10	गुरु	19/07/2026
अम्बु	मकर	22:30:37	शनि	14/11/2026
कर्म	सिंह	17:35:52	सूर्य	16/08/2026
रोग	मीन	21:42:06	गुरु	28/07/2026
कामदेव	सिंह	12:26:25	सूर्य	11/08/2026
कलि	वृश्चिक	16:49:04	मंगल	15/11/2025
क्षेम	वृश्चिक	16:49:04	मंगल	15/11/2025
शास्त्र	कर्क	10:59:37	चन्द्र	26/01/2026
बन्धु	मीन	01:06:11	गुरु	07/07/2026
बंधक	मीन	01:06:11	गुरु	07/07/2026
मृत्यु	कुम्भ	19:54:07	शनि	11/12/2026

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	मीन	19:27:40	गुरु	26/07/2026
अर्थ	वृष	05:14:26	शुक्र	03/04/2026
परदारा	मिथुन	26:52:02	बुध	07/04/2026
अन्यकर्म	कन्या	02:41:01	बुध	27/09/2026
वणिक	धनु	23:46:39	गुरु	20/05/2026
कार्यसिद्धि	मीन	15:53:08	गुरु	22/07/2026
विवाह	कुम्भ	12:45:13	शनि	03/12/2026
प्रसूति	मेष	02:54:18	मंगल	06/03/2026
संताप	वृश्चिक	19:54:07	मंगल	19/11/2025
श्रद्धा	मिथुन	09:00:18	बुध	26/03/2026
प्रीति	मिथुन	21:09:15	बुध	03/04/2026
बल	कुम्भ	19:41:39	शनि	11/12/2026
देह	कुम्भ	19:41:39	शनि	11/12/2026
जाडय	सिंह	14:06:47	सूर्य	12/08/2026
व्यापार	कर्क	07:16:58	चन्द्र	23/01/2026
जलपतन	सिंह	14:06:47	सूर्य	12/08/2026
शत्रु	मीन	16:11:19	गुरु	23/07/2026
शौर्य	वृश्चिक	15:19:00	मंगल	13/11/2025
उपाय	मीन	13:04:10	गुरु	19/07/2026
दरिद्रता	कुम्भ	08:05:00	शनि	28/11/2026
गुरुता	कुम्भ	05:05:43	शनि	24/11/2026
जलपथ	वृश्चिक	25:58:54	मंगल	26/11/2025
बंधन	मिथुन	19:03:54	बुध	02/04/2026
कन्या	मकर	22:30:37	शनि	14/11/2026
अश्व	कन्या	28:35:19	बुध	26/10/2026

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

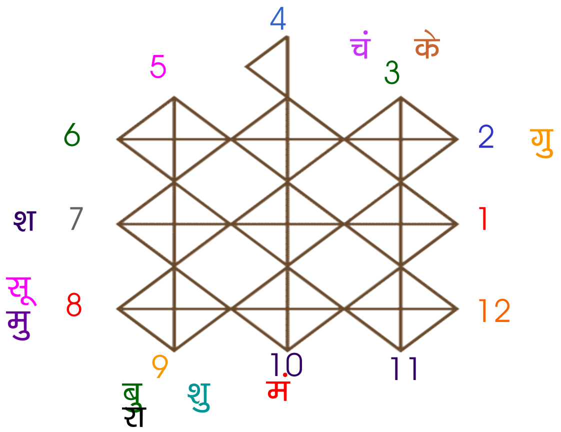

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

पात्यंश दशा

गुरु		शनि		शुक्र		मंगल		बुध	
03/11/2025		**17/11/2025**		**28/11/2025**		**03/12/2025**		**30/01/2026**	
17/11/2025		**28/11/2025**		**03/12/2025**		**30/01/2026**		**27/04/2026**	
गुरु	04/11/2025	शनि	18/11/2025	शुक्र	28/11/2025	मंगल	12/12/2025	बुध	20/02/2026
शनि	04/11/2025	शुक्र	18/11/2025	मंगल	29/11/2025	बुध	26/12/2025	लग्न	28/02/2026
शुक्र	05/11/2025	मंगल	20/11/2025	बुध	30/11/2025	लग्न	01/01/2026	सूर्य	20/03/2026
मंगल	07/11/2025	बुध	22/11/2025	लग्न	01/12/2025	सूर्य	14/01/2026	चंद्र	06/04/2026
बुध	10/11/2025	लग्न	23/11/2025	सूर्य	02/12/2025	चंद्र	25/01/2026	गुरु	09/04/2026
लग्न	11/11/2025	सूर्य	25/11/2025	चंद्र	03/12/2025	गुरु	28/01/2026	शनि	12/04/2026
सूर्य	15/11/2025	चंद्र	28/11/2025	गुरु	03/12/2025	शनि	29/01/2026	शुक्र	13/04/2026
चंद्र	17/11/2025	गुरु	28/11/2025	शनि	03/12/2025	शुक्र	30/01/2026	मंगल	27/04/2026

लग्न		सूर्य		चंद्र		चंद्र		चंद्र	
27/04/2026		**01/06/2026**		**22/08/2026**		**22/08/2026**		**22/08/2026**	
01/06/2026		**22/08/2026**		**04/11/2026**		**04/11/2026**		**04/11/2026**	
लग्न	30/04/2026	सूर्य	19/06/2026	चंद्र	06/09/2026	चंद्र	06/09/2026	चंद्र	06/09/2026
सूर्य	08/05/2026	चंद्र	06/07/2026	गुरु	09/09/2026	गुरु	09/09/2026	गुरु	09/09/2026
चंद्र	15/05/2026	गुरु	09/07/2026	शनि	11/09/2026	शनि	11/09/2026	शनि	11/09/2026
गुरु	16/05/2026	शनि	12/07/2026	शुक्र	12/09/2026	शुक्र	12/09/2026	शुक्र	12/09/2026
शनि	18/05/2026	शुक्र	13/07/2026	मंगल	24/09/2026	मंगल	24/09/2026	मंगल	24/09/2026
शुक्र	18/05/2026	मंगल	26/07/2026	बुध	11/10/2026	बुध	11/10/2026	बुध	11/10/2026
मंगल	24/05/2026	बुध	14/08/2026	लग्न	18/10/2026	लग्न	18/10/2026	लग्न	18/10/2026
बुध	01/06/2026	लग्न	22/08/2026	सूर्य	04/11/2026	सूर्य	04/11/2026	सूर्य	04/11/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

चंद्र		मंगल		राहु		गुरु		शनि	
03/11/2025		04/12/2025		25/12/2025		18/02/2026		08/04/2026	
04/12/2025		25/12/2025		18/02/2026		08/04/2026		05/06/2026	
चंद्र	06/11/2025	मंगल	05/12/2025	राहु	02/01/2026	गुरु	24/02/2026	शनि	17/04/2026
मंगल	08/11/2025	राहु	08/12/2025	गुरु	10/01/2026	शनि	04/03/2026	बुध	25/04/2026
राहु	12/11/2025	गुरु	11/12/2025	शनि	18/01/2026	बुध	11/03/2026	केतु	28/04/2026
गुरु	16/11/2025	शनि	15/12/2025	बुध	26/01/2026	केतु	14/03/2026	शुक्र	08/05/2026
शनि	21/11/2025	बुध	18/12/2025	केतु	29/01/2026	शुक्र	22/03/2026	सूर्य	11/05/2026
बुध	26/11/2025	केतु	19/12/2025	शुक्र	07/02/2026	सूर्य	24/03/2026	चंद्र	16/05/2026
केतु	27/11/2025	शुक्र	22/12/2025	सूर्य	10/02/2026	चंद्र	29/03/2026	मंगल	19/05/2026
शुक्र	02/12/2025	सूर्य	23/12/2025	चंद्र	15/02/2026	मंगल	31/03/2026	राहु	28/05/2026
सूर्य	04/12/2025	चंद्र	25/12/2025	मंगल	18/02/2026	राहु	08/04/2026	गुरु	05/06/2026

बुध		केतु		शुक्र		सूर्य		सूर्य	
05/06/2026		26/07/2026		17/08/2026		16/10/2026		16/10/2026	
26/07/2026		17/08/2026		16/10/2026		04/11/2026		04/11/2026	
बुध	12/06/2026	केतु	28/07/2026	शुक्र	27/08/2026	सूर्य	17/10/2026	सूर्य	17/10/2026
केतु	15/06/2026	शुक्र	31/07/2026	सूर्य	30/08/2026	चंद्र	19/10/2026	चंद्र	19/10/2026
शुक्र	24/06/2026	सूर्य	01/08/2026	चंद्र	04/09/2026	मंगल	20/10/2026	मंगल	20/10/2026
सूर्य	26/06/2026	चंद्र	03/08/2026	मंगल	07/09/2026	राहु	23/10/2026	राहु	23/10/2026
चंद्र	30/06/2026	मंगल	04/08/2026	राहु	17/09/2026	गुरु	25/10/2026	गुरु	25/10/2026
मंगल	03/07/2026	राहु	07/08/2026	गुरु	25/09/2026	शनि	28/10/2026	शनि	28/10/2026
राहु	11/07/2026	गुरु	10/08/2026	शनि	04/10/2026	बुध	31/10/2026	बुध	31/10/2026
गुरु	18/07/2026	शनि	14/08/2026	बुध	13/10/2026	केतु	01/11/2026	केतु	01/11/2026
शनि	26/07/2026	बुध	17/08/2026	केतु	16/10/2026	शुक्र	04/11/2026	शुक्र	04/11/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - गुरु - शुक्र	
09/08/2025 20:30	
11/01/2026 01:42	
शुक्र	04/09/2025 13:22
सूर्य	12/09/2025 06:26
चंद्र	25/09/2025 02:52
मंगल	04/10/2025 02:46
राहु	27/10/2025 05:57
गुरु	16/11/2025 19:27
शनि	11/12/2025 05:28
बुध	02/01/2026 01:48
केतु	11/01/2026 01:42

शनि - गुरु - सूर्य	
11/01/2026 01:42	
26/02/2026 08:04	
सूर्य	13/01/2026 09:14
चंद्र	17/01/2026 05:45
मंगल	19/01/2026 22:32
राहु	26/01/2026 21:05
गुरु	02/02/2026 01:08
शनि	09/02/2026 08:56
बुध	15/02/2026 22:14
केतु	18/02/2026 15:00
शुक्र	26/02/2026 08:04

शनि - गुरु - चंद्र	
26/02/2026 08:04	
14/05/2026 10:40	
चंद्र	04/03/2026 18:17
मंगल	09/03/2026 06:14
राहु	20/03/2026 19:50
गुरु	31/03/2026 02:34
शनि	12/04/2026 07:35
बुध	23/04/2026 05:45
केतु	27/04/2026 17:42
शुक्र	10/05/2026 14:08
सूर्य	14/05/2026 10:40

शनि - गुरु - मंगल	
14/05/2026 10:40	
07/07/2026 10:05	
मंगल	17/05/2026 14:14
राहु	25/05/2026 16:33
गुरु	01/06/2026 21:16
शनि	10/06/2026 10:23
बुध	18/06/2026 01:54
केतु	21/06/2026 05:28
शुक्र	30/06/2026 05:22
सूर्य	02/07/2026 22:08
चंद्र	07/07/2026 10:05

शनि - गुरु - राहु	
07/07/2026 10:05	
23/11/2026 05:10	
राहु	28/07/2026 05:45
गुरु	15/08/2026 17:54
शनि	06/09/2026 17:19
बुध	26/09/2026 09:13
केतु	04/10/2026 11:32
शुक्र	27/10/2026 14:43
सूर्य	03/11/2026 13:16
चंद्र	15/11/2026 02:51
मंगल	23/11/2026 05:10

बुध - बुध - बुध	
23/11/2026 05:10	
27/03/2027 19:57	
बुध	10/12/2026 20:52
केतु	18/12/2026 03:20
शुक्र	07/01/2027 21:47
सूर्य	14/01/2027 03:20
चंद्र	24/01/2027 12:34
मंगल	31/01/2027 19:01
राहु	19/02/2027 11:39
गुरु	08/03/2027 02:25
शनि	27/03/2027 19:57

बुध - बुध - केतु	
27/03/2027 19:57	
18/05/2027 03:27	
केतु	30/03/2027 19:48
शुक्र	08/04/2027 09:03
सूर्य	10/04/2027 22:37
चंद्र	15/04/2027 05:15
मंगल	18/04/2027 05:05
राहु	25/04/2027 21:48
गुरु	02/05/2027 18:00
शनि	10/05/2027 21:00
बुध	18/05/2027 03:27

बुध - बुध - शुक्र	
18/05/2027 03:27	
11/10/2027 18:02	
शुक्र	11/06/2027 13:53
सूर्य	18/06/2027 21:49
चंद्र	01/07/2027 03:02
मंगल	09/07/2027 16:17
राहु	31/07/2027 16:04
गुरु	20/08/2027 05:13
शनि	12/09/2027 10:19
बुध	03/10/2027 04:47
केतु	11/10/2027 18:02

बुध - बुध - सूर्य	
11/10/2027 18:02	
24/11/2027 17:36	
सूर्य	13/10/2027 22:49
चंद्र	17/10/2027 14:47
मंगल	20/10/2027 04:21
राहु	26/10/2027 18:41
गुरु	01/11/2027 15:26
शनि	08/11/2027 14:34
बुध	14/11/2027 20:06
केतु	17/11/2027 09:41
शुक्र	24/11/2027 17:36

बुध - बुध - चंद्र	
24/11/2027 17:36	
06/02/2028 00:54	
चंद्र	30/11/2027 20:13
मंगल	05/12/2027 02:50
राहु	16/12/2027 02:44
गुरु	25/12/2027 21:18
शनि	06/01/2028 11:51
बुध	16/01/2028 21:05
केतु	21/01/2028 03:43
शुक्र	02/02/2028 08:56
सूर्य	06/02/2028 00:54

बुध - बुध - मंगल	
06/02/2028 00:54	
28/03/2028 08:24	
मंगल	09/02/2028 00:44
राहु	16/02/2028 17:27
गुरु	23/02/2028 13:39
शनि	02/03/2028 16:39
बुध	09/03/2028 23:06
केतु	12/03/2028 22:57
शुक्र	21/03/2028 12:12
सूर्य	24/03/2028 01:46
चंद्र	28/03/2028 08:24

बुध - बुध - राहु	
28/03/2028 08:24	
07/08/2028 07:07	
राहु	17/04/2028 03:24
गुरु	04/05/2028 17:38
शनि	25/05/2028 15:02
बुध	13/06/2028 07:39
केतु	21/06/2028 00:22
शुक्र	13/07/2028 00:09
सूर्य	19/07/2028 14:30
चंद्र	30/07/2028 14:23
मंगल	07/08/2028 07:07

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरुफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरुफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति तथा सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। संतति पक्ष से इस वर्ष में आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनकी ओर से आप निश्चिन्त तथा प्रसन्न रहेंगे।साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी सफलता अर्जित करेंगे। इस समय आपको भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा आनन्दपूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही अन्य वांछित द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से सुख एवं विलास में भी आप लिप्त रहेंगे तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए यह वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध बनेंगे तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। फलतः नौकरी या राजनीति में पदोन्नति की संभावना रहेगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका यथोचित सम्मान करेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।साथ ही व्यापार में विस्तार या कोई नवीन कार्य भी प्रारंभ होगा। इस वर्ष में धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करते रहेंगे। इसके साथ ही सांसारिक चिन्ताएं भी दूर होंगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। अतः समय का सदपुयोग करें ।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं सांसारिक महत्व के कार्य उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही आपके सभी रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपको वांछित सुख एवं सहयोग मिलेगा तथा संतति पक्ष से भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति भी इस समय उत्तम रहेगी तथा आपके सभी कार्य बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके भाग्योदय में भी वृद्धि होगी तथा भौतिक सुख संसाधन तथा वाहनादि को प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता मिलेगी तथा इसमें विस्तार या नवीन कार्य प्रारंभ होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी फलतः समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश बढ़ेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

प्रथम मास

03/11/2025 23:15:42 से 03/12/2025 17:17:50 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	12:26:25
सूर्य		तुला	स्वाति	17:20:41
चन्द्र		मीन	रेवती	21:42:06
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	05:12:25
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	10:21:52
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:49:46
शुक्र		तुला	चित्रा	01:46:19
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:27:31
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:45:50
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:45:50
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	12:34:28

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

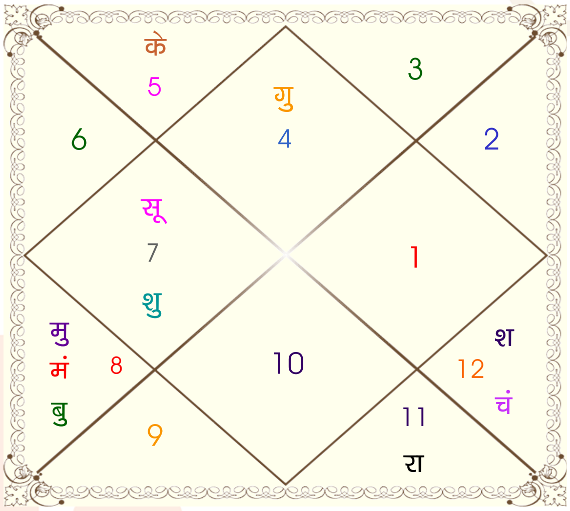

यह मास आपका प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त रहेगी तथा सभी महत्पूर्ण कार्य बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। साथ ही आपको पुत्र सुख तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसे मन से स्वीकार करेंगे। साथ ही आप अनेक प्रकार के शुभ कार्यों को सम्पन्न करेंगे एवं शुभ समाचार भी प्राप्त होंगे। देवता तथा ब्राहमण के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा आप विधिपूर्वक इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनकूल लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपको समाज में मान प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी एवं मानसिक चिन्ताएं भी दूर होंगी।

साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा पदोन्नति भी मिल सकती है। इस समय आप देश विदेश की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं।साथ ही अन्य प्रकार के सुखों को अर्जित करने में भी आप सफल रहंगे।

द्वितीय मास

03/12/2025 17:17:50 से 02/01/2026 05:00:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	18:40:35
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:20:41
चन्द्र		मेष	भरणी	26:13:21
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:55:30
बुध		तुला	विशाखा	27:37:57
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:08:52
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	09:06:38
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:57:47
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:46:33
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:46:33
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	15:04:28

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

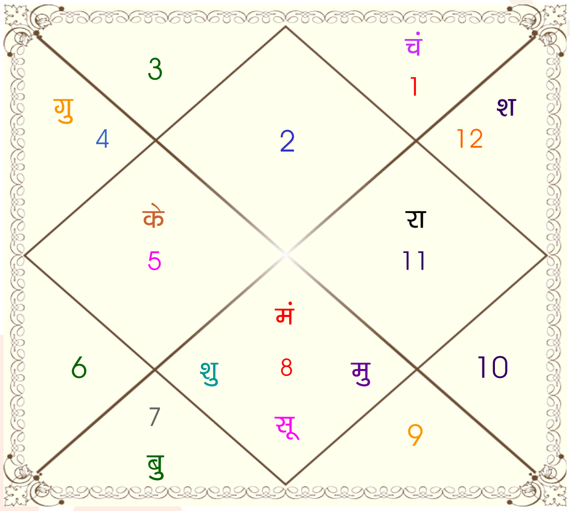

यह मास आपके लिए काफी अशुभ एवं परेशानी उत्पन्न करने वाला होगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं की ओर से भी नित्य चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। आपके उत्साह में भी इस मास अल्पता रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।जिससे आर्थिक परेशानी हो सकती है।साथ ही आप शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे तथा मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। स्वबन्धुजनों से भी आपके सम्बन्धों में मधुरता का अभाव रहेगा एवं तनाव का भाव रहेगा जिससे मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। अतः मानसिक तनाव से आप ग्रस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से विवाद या संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है अतः सावधानी पूर्वक समय अनुसार चलने का प्रयत्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस मास में अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

तृतीय मास

02/01/2026 05:00:23 से 31/01/2026 16:20:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	16:00:16
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:20:41
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	27:13:30
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:13:03
बुध		धनु	मूल	05:55:37
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:00:27
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:13:02
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:00:12
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:35:07
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:35:07
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:34:28

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

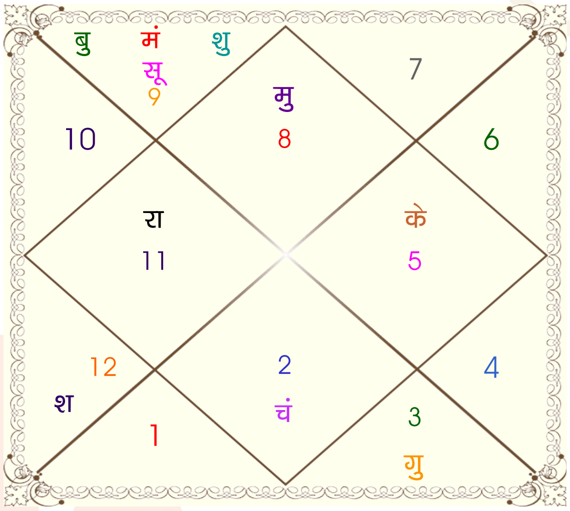

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन में सन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा। आपके पराक्रम में इस समय पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग को परास्त करने में आप सफल रहेंगे ।साथ ही आपके लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे। इस मास आप भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा ऐसे महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे जिनको आप काफी समय से सिद्ध करना चाहते थे। इसके अतिरिक्त बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके दृढ़ एवं मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा सबसे आप यथोचित मान सम्मान अर्जित करेंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफलता अर्जित करेंगे राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण प्रतिष्ठा तथा आदर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा।

चतुर्थ मास

31/01/2026 16:20:09 से 02/03/2026 09:19:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	28:32:19
सूर्य		मकर	श्रवण	17:20:41
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	27:47:01
मंगल		मकर	श्रवण	12:04:31
बुध		मकर	धनिष्ठा	24:16:57
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:11:55
शुक्र		मकर	श्रवण	23:15:58
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:21:48
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:55:52
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:55:52
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:04:28

मासाधिपति

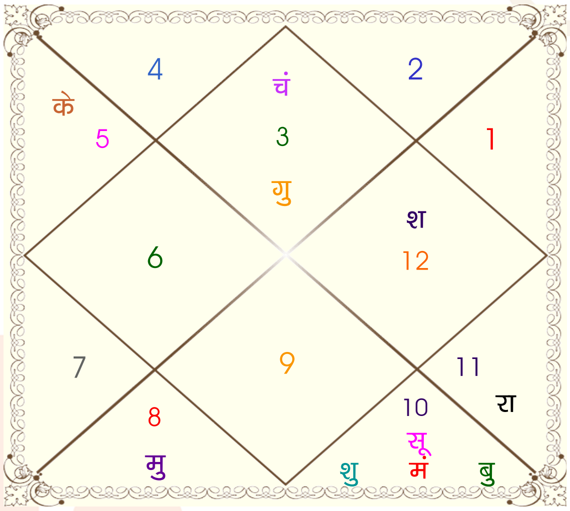

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा इस समय आप शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास आपका शत्रुपक्ष बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे फलतः मानसिक रूप से आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें एवं उन्हें उचित सहयोग प्रदान करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे अन्यथा आपको असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। साथ ही धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक संकट भी न्यूनाधिक मात्रा में रहेगा। आपके द्वारा इस मास कोई ऐसा भी कार्य हो सकता है जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इस मास आपके सम्बन्धियों तथा मित्रों से तनावपूर्ण संबध रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज से भी आपको उपेक्षा मिलेगी तथा आशाएं भी अल्पमात्रा में पूर्ण होंगी।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में शुभ फल भी घटित होंगे।जिसके प्रभाव से आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे जिससे मानसिक प्रसन्नता तथा शान्ति की अनुभूति होगी।

पंचम् मास
02/03/2026 09:19:26 से 01/04/2026 12:39:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	11:26:27
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	17:20:41
चन्द्र		सिंह	मघा	00:50:00
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	05:25:58
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:09:25
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:59:42
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	00:26:06
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:38:17
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:45:28
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:28
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:34:28

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

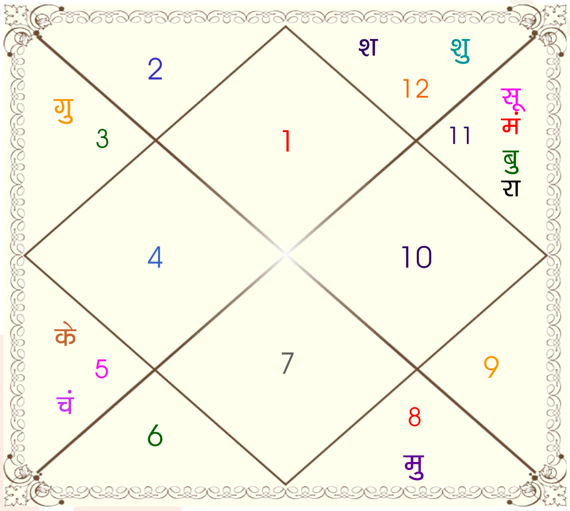

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को आप प्राप्त करेंगे। इस समय शत्रु पक्ष प्रबल होने से आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे साथ ही घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इस समय आप शारीरिक रूप से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं अन्य कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे। अतः शारीरिक बल की भी आप में न्यूनता रहेगी। इस मास में आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते है। आपके सांसारिक कार्यो में कई प्रकार से विध्न बाधाएं आएंगी अतः इन्हें समय पर पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगे। साथ ही मुकद्दमें आदि कार्य में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर बुद्धिमता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या अन्य द्रव्यों को भी अर्जित कर सकेंगे जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

षष्ठ मास

01/04/2026 12:39:17 से 02/05/2026 04:25:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुनर्वसु	01:44:18
सूर्य		मीन	रेवती	17:20:41
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:04:13
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:07:33
बुध		कुम्भ	शतभिषा	19:43:35
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:34:30
शुक्र		मेष	अश्विनी	07:46:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	11:21:34
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:31:37
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:31:37
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:04:28

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

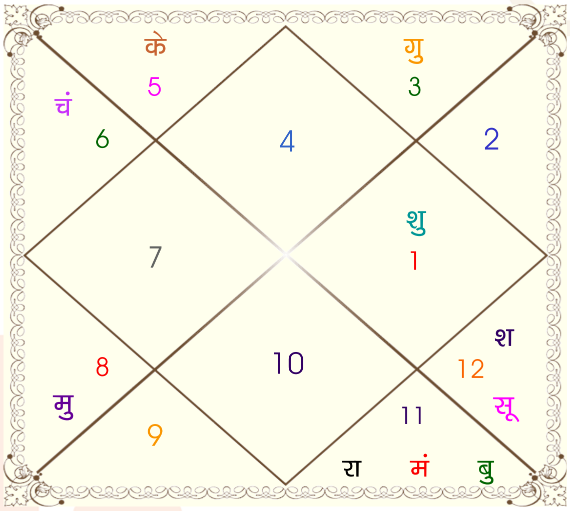

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

सप्तम् मास

02/05/2026 04:25:19 से 02/06/2026 07:24:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	22:46:21
सूर्य		मेष	भरणी	17:20:41
चन्द्र		तुला	स्वाति	19:55:02
मंगल		मीन	रेवती	22:52:43
बुध		मेष	अश्विनी	03:32:32
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:49:20
शुक्र		वृष	रोहिणी	15:13:05
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:01:38
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	12:36:22
केतु	व	सिंह	मघा	12:36:22
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:34:28

मासाधिपति

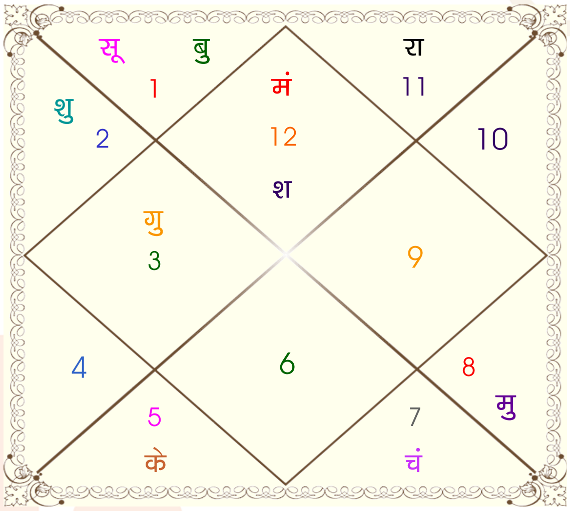

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास

02/06/2026 07:24:20 से 03/07/2026 17:12:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	16:23:47
सूर्य		वृष	रोहिणी	17:20:41
चन्द्र		धनु	मूल	06:03:49
मंगल		मेष	भरणी	16:19:53
बुध		मिथुन	आर्द्रा	06:45:07
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:02:39
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	22:26:30
शनि		मीन	रेवती	18:06:26
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	09:08:51
केतु	व	सिंह	मघा	09:08:51
मुंथा		धनु	मूल	00:04:28

मासाधिपति

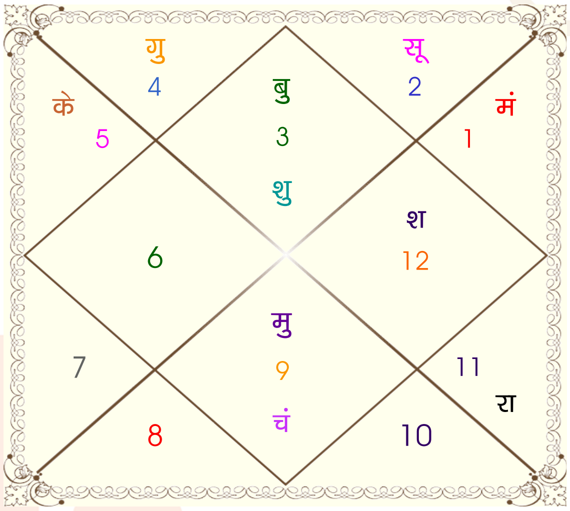

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा।मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

नवम् मास

03/07/2026 17:12:23 से 04/08/2026 03:24:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:28:35
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	17:20:41
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	26:06:20
मंगल		वृष	कृतिका	09:05:42
बुध	व	कर्क	पुनर्वसु	01:29:40
गुरु		कर्क	पुष्य	06:27:59
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	28:46:40
शनि		मीन	रेवती	20:03:33
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:28:18
केतु	व	सिंह	मघा	06:28:18
मुंथा		धनु	मूल	02:34:28

मासाधिपति

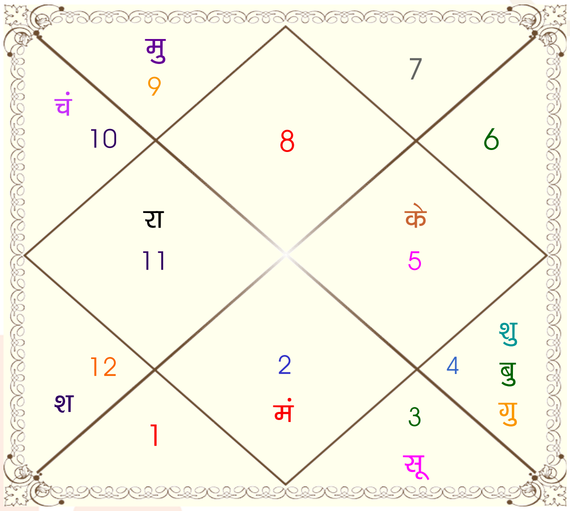

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रुचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास

04/08/2026 03:24:26 से 04/09/2026 07:28:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	18:06:20
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	17:20:41
चन्द्र		मीन	रेवती	19:39:25
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	00:48:02
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	28:02:23
गुरु		कर्क	पुष्य	13:22:31
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:49:56
शनि	व	मीन	रेवती	20:27:47
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:38:53
केतु		सिंह	मघा	05:38:53
मुंथा		धनु	मूल	05:04:28

मासाधिपति

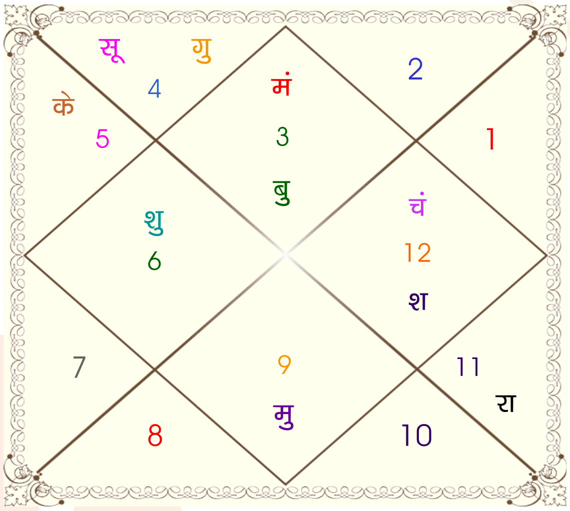

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अल्प मात्रा में घटित होंगे। इस समय स्त्री तथा स्त्रीपक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे या पत्नी को किसी प्रकार के कष्ट होने की संभावना रहेगी। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी कमजोर रहेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा बैचेन रहेंगे। शारीरिक अस्वस्थता के साथ साथ आपके मन में लोलुपता के भाव की भी वृद्धि होगी। अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा। ऐसे समय में मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे। इसके अलावा समाज में अन्य लोगों के साथ वाद विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता का भाव रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभफल भी घटित होंगे।अतः आप महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय परिश्रम पूर्वक धनार्जन एवं लाभ प्राप्त करने में भी आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप की रुचि उत्पन्न होगी तथा समाज में न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

एकादश मास
04/09/2026 07:28:31 से 05/10/2026 00:42:29 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:31:42
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:20:41
चन्द्र		वृष	रोहिणी	14:06:55
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	21:06:35
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:10:50
गुरु		कर्क	आश्लेषा	20:06:42
शुक्र		तुला	चित्रा	01:20:12
शनि	व	मीन	रेवती	19:16:10
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:31:43
केतु	व	सिंह	मघा	05:31:43
मुंथा		धनु	मूल	07:34:28

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

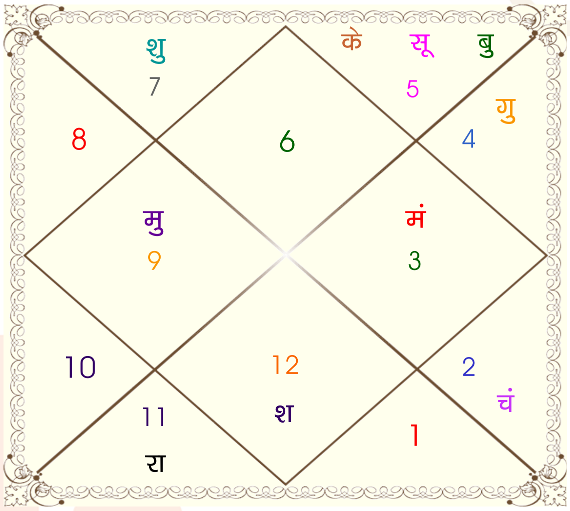

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

05/10/2026 00:42:29 से 04/11/2026 05:29:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	05:38:30
सूर्य		कन्या	हस्त	17:20:41
चन्द्र		कर्क	पुष्य	03:36:47
मंगल		कर्क	पुष्य	09:39:21
बुध		तुला	स्वाति	11:19:16
गुरु		कर्क	आश्लेषा	26:01:43
शुक्र	व	तुला	स्वाति	14:12:51
शनि	व	मीन	रेवती	17:02:48
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	04:50:21
केतु		सिंह	मघा	04:50:21
मुंथा		धनु	मूल	10:04:28

मासाधिपति

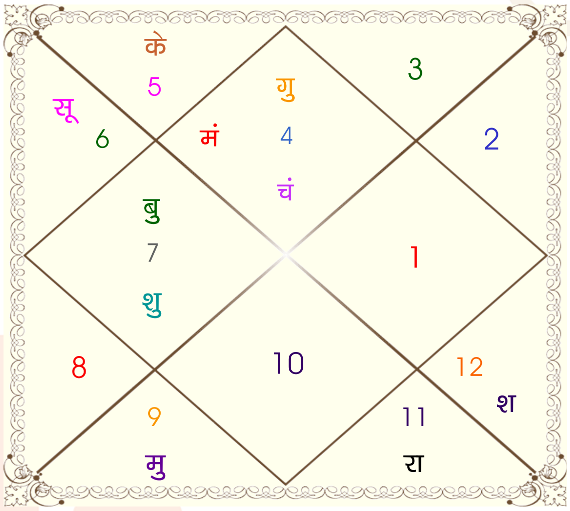

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अशुभ फल प्रदान करने वाला होगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही शत्रु भी आपसे बलवान रहेंगे एवं आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित किया जा सकता है। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट प्राप्त कर सकते है। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में भी आपके आदर में न्यूनता आएगी। बन्धु एवं मित्रों से आपका इस समय मन मुटाव रहेगा तथा मानसिक इच्छाएं अपूर्ण ही रहेंगी। अतः तनाव से बचने के लिए संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित कर सकेंगे तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।